CSM – 43/21
Indian Language & Literature in Hindi
Paper – II

Time : 3 hours

Full Marks : 300

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Candidates should attempt Q. No. 1 from Section – A and Q. No. 5 from Section – B which are compulsory and any **three** of the remaining questions, selecting at least **one** from each Section.*

SECTION – A

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :

20×3 = 60

(क) रामचरित मानस के ''सुन्दर काण्ड'' की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ख) पठित कबीर की साखियों के आधार पर ''कबीर समाज सुधारक हैं'' — स्पष्ट कीजिए ।

(ग) श्रध्द सर्ग के आधार पर श्रध्द का सौंदर्य चित्रण कीजिए ।

(घ) ''कुरुक्षेत्र में अपने युग की अधिकांश समस्याओं को वाणी प्रदान की है'' — स्पष्ट कीजिए ।

2. नागमति वियोग खण्ड में वर्णित विषय-वस्तु का विवेचन कीजिए । 60

3. कवितावली के उत्तर काण्ड में अभिव्यक्त तुलसी की भक्ति-भावना को स्पष्ट कीजिए । 60

4. कुकुरमुत्ता कविता की व्यंग्यात्मकता पर विचार कीजिए । 60

SECTION – B

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए :

20×3 = 60

(क) 'कविता क्या है' में व्यक्त आचार्य रामचंद्र शुक्ल के विचारों पर प्रकाश डालिए ।

(ख) ''स्कंदगुप्त एक राष्ट्रीय नाटक है'' — सिद्ध कीजिए ।

(ग) ''गोदान का नामौचित्य'' पर सविस्तार लिखिए ।

(घ) ''अंधेर नगरी'' में यथार्थ बोध पर प्रकाश डालिए ।

6. ''मैला आंचल एक नायक विहीन उपन्यास है'' — इस कथन की समीक्षा कीजिए । 60

7. ''भावनामयी और यथार्थवादी नारी के प्रतीक : मल्लिका और अंबिका'' — स्पष्ट कीजिए । 60

8. श्रद्धा और भक्ति को स्पष्ट करते हुए विश्लेषण कीजिए कि ये दोनों परस्पर पूरक है या विरोधी । 60